Wazir Mohd Hakla Poonchi

Throughout history, various types of leaders have emerged, yet the mention of Late Choudhary Wazir Mohd Hakla evokes the image of a profoundly sincere, hardworking, and dedicated figure. Not confined to the Gujjar community, he tirelessly advocated for the welfare of all regional communities. His legacy includes raising political awareness and educating remote populations about their rights and responsibilities as citizens of the nation.

Choudhary Wazir Mohd Hakla, a resident of Village Bandichechian, Tehsil Haveli, District Poonch, Jammu & Kashmir Union Territory, was born on 14 March 1915. He belonged to the Muslim Gujjar community. Choudhary Wazir Mohd Hakla, a prominent Gujjar leader, Scholar, Writer, Philosopher, and intellectual of Jammu & Kashmir did a lot of social work with dedication, sincerity, and honesty. He rendered services for the upliftment of the downtrodden sections of the society and for the noble cause of the poor strata of the region. He especially raised the issues pertaining to the Gujjar community not only in Jammu & Kashmir but in other parts of the country as well.

He strengthened communal harmony among different communities. He promoted patriotism, communal harmony and the secular character of the country and played a vital role for the cause of the national integration.

Choudhary Wazir Mohd Hakla has written a number of articles and research papers relating to the Gujjar History & Culture and Gojri language and also on difficulties & problems of the Gujjar Bakarwal tribe and they ware published in the national and regional print media and in the available electronic media of his time.

Choudhary Wazir Mohd Hakla played a vital role in developing the Gujjar Bakarwal community of Jammu & Kashmir educationally, socially, politically & economically. He always highlighted their problems and difficulties before the government. He worked to solve their problems and also worked for the promotion of the Gojri language being spoken by the Gujjar Bakarwal community of Jammu & Kashmir. He pioneered for the demand of granting Schedule Tribe status to Gujjars Bakarwals of Jammu & Kashmir in 1958 and also initiated a movement & worked to grant the Schedule Tribe status to the Gujjar Bakarwal community of Jammu & Kashmir.

Choudhary Wazir Mohd Hakla defended India in wars with Pakistan during 1965 & 1971. He helped Indian Army in the hours of crisis and motivated the Muslim Gujjar Bakarwal Community of Jammu & Kashmir to co-operate with Indian Army and educated the Muslim Gujjar Bakarwal Community of Jammu & Kashmir to counter the Pakistani attackers during the war.

While recognising the services of Choudhary Wazir Mohd Hakla, Hindu, Muslim , Sikh and Jain Gujjars of India unanimously honoured him with the title of "WAZIR-UL-QAUM" (Leader of the Community) in all India level Gujjar Samelan held at Kotla Mubarakpur, New Delhi on 7th of January 1973. Choudhary Wazir Mohd Hakla died on 10 August 1977.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on Choudhary Wazir Mohd Hakla who fought for national unity and harmony in the region of Jammu & Kashmir.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Ms. Gulistaan
Text	:	Based on information received from the proponent



विवरणिका BROCHURE

वजीर मुहम्मद हकला पुंछी

भारतीय इतिहास के पन्नों में अनेकानेक नेताओं के नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज हैं। इस फेहरिस्त में जब स्वर्गीय चौधरी वजीर मुहम्मद हकला का नाम लिया जाता है, तो हमारे मन–मस्तिष्क में एक ऐसे नेता की छवि उभरती है जो ईमानदारी, परिश्रम और समर्पण भाव के प्रतिरूप थे। वे न केवल गुज्जर समुदाय के नेता थे बल्कि उन्होंने अपने क्षेत्र के अन्य सभी समुदायों के कल्याण के लिए भी अथक प्रयास किए। वजीर मुहम्मद हकला ने जनसामान्य को राजनीति के बारे में जागरूक किया। साथ ही, दूर–दराज के क्षेत्रों में रह रहे लोगों को उनके अधिकारों से परिचित करवाते हुए राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्यों के लिए भी सचेत किया।

चौधरी वजीर मुहम्मद हकला का जन्म 14 मार्च 1915 को हुआ था। वे जम्मू एवं कश्मीर संघ राज्यक्षेत्र के पुंछ जिले के गांव बंदी चेचियन, तहसील हवेली के निवासी थे। वे मुस्लिम गुज्जर समुदाय से संबंध रखते थे। चौधरी वजीर मुहम्मद हकला जम्मू एवं कश्मीर के एक प्रमुख गुज्जर नेता, विद्वान, लेखक, दार्शनिक और बुद्धिजीवी थे जिन्होंने समर्पणभाव, निष्ठा और ईमानदारी के साथ अनेक सामाजिक कार्यों में योगदान किया। उन्होंने समाज के शोषित वर्गों के उत्थान तथा क्षेत्र के निर्धन तबके के लोगों की भलाई के लिए कार्य किया। उन्होंने खासकर गुज्जर समुदाय से संबंधित मुद्दों को न केवल जम्मू एवं कश्मीर में बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी उठाया।

वजीर मुहम्मद हकला ने विभिन्न समुदायों के बीच सांप्रदायिक सौहार्द बढ़ाने में मदद की। साथ ही, देशभक्ति, सांप्रदायिक सदभाव और देश की धर्मनिरपेक्ष नीति को प्रोत्साहित करते हुए राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चौधरी वजीर मुहम्मद हकला ने गुज्जर इतिहास एवं संस्कृति और गोजरी भाषा से संबंधित अनेक लेख और शोध–पत्र लिखे। उन्होंने गुज्जर बक्करवाल जनजाति की कठिनाइयों एवं समस्याओं पर भी लिखा और उसे राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय प्रिंट मीडिया के साथ–साथ उस समय उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रसारित भी करवाया।

चौधरी वजीर मुहम्मद हकला ने जम्मू एवं कश्मीर के गुज्जर बक्करवाल समाज के शैक्षिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने उस समाज की कठिनाइयों एवं समस्याओं को सरकार के समक्ष प्रमुखता से रखा। चौधरी वजीर मुहम्मद हकला ने उनकी समस्याओं को हल करने की दिशा में कार्य किया। साथ ही, जम्मू एवं कश्मीर के गुज्जर बक्करवाल समुदाय द्वारा बोली जाने वाली गोजरी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए भी कार्य किया। उन्होंने 1958 में जम्मू एवं कश्मीर के गुज्जर बक्करवाल समुदाय को जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर अग्रगामी कार्य करते हुए एक आंदोलन की शुरुआत की।

चौधरी वजीर मुहम्मद हकला ने 1965 एवं 1971 के दौरान पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत का साथ दिया। संकट की इस घड़ी में उन्होंने भारतीय सेना की सहायता की और जम्मू एवं कश्मीर के मुस्लिम गुज्जर बक्करवाल समुदाय को भारतीय सेना के साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित किया और युद्ध के दौरान पाकिस्तानी आक्रमणकारियों का मुकाबला करने के लिए तैयार किया।

चौधरी वजीर मुहम्मद हकला के योगदान के महत्व को रेखांकित करते हुए, भारत के हिंदू, मुस्लिम, सिख और जैन गुज्जरों ने कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली में 7 जनवरी, 1973 को आयोजित अखिल भारतीय गुज्जर सम्मेलन में उन्हें सर्वसम्मति से 'वजीर–उल–कौम' (समुदाय के नेता) की उपाधि से सम्मानित किया। 10 अगस्त, 1977 को चौधरी वजीर मुहम्मद हकला का निधन हो गया।

डाक विभाग, जम्मू एवं कश्मीर क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता और सद्भाव बनाए रखने की दिशा में संघर्षरत रहे चौधरी वजीर मुहम्मद हकला पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे : सुश्री गुलिस्तां

पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त सामग्री पर आधारित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रितडाक–टिकटें	: 302052
Stamps Printed	: 302052
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

©डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

©Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00